

OBSAH

| | |
|--|----|
| <i>Úvod</i> | 7 |
| NA WARTBURGU | |
| <i>Pobled do „dalekébo blízka“</i> | 11 |
| NA DÁLNICI DO FRANKFURTU | |
| <i>Auto v úloze propagandisty</i> | 14 |
| FRANKFURT NAD MOHANEM | |
| <i>Drubé „vítězství“ Američanů</i> | 20 |
| <i>Lektor dělá náborové texty</i> | 25 |
| <i>„Jen pijavice tloustne“</i> | 28 |
| <i>Sen velkoobchodníka</i> | 30 |
| WIESBADEN | |
| <i>„Atmosféra působící jako sen“ - a její rub</i> | 34 |
| HEIDELBERK | |
| <i>„Živému duchu“?</i> | 38 |
| <i>Náměsíčníci</i> | 42 |
| KARLSRUHE | |
| <i>„Člověk musí vždycky něco slevit“</i> | 44 |
| <i>Mladý hudebník</i> | 45 |
| <i>Vlastní způsob spasení vrchního vládního rady</i> | 47 |
| <i>Zbanobené město</i> | 51 |
| BADEN-BADEN | |
| <i>Sídlo bobatých</i> | 53 |

| | |
|--|-----|
| FREIBURG | |
| <i>Student a lidskost</i> | 56 |
| <i>Nirvána na Schauinslandu</i> | 60 |
| CELNICE RANDEN | |
| <i>Dva „uprchlíci“</i> | 65 |
| OSTROV REICHENAU | |
| <i>Šťastný ostrov s malými vadami</i> | 68 |
| KOSTNICE | |
| <i>Entuziastický rozhovor</i> | 73 |
| MEERSBURG | |
| <i>Spisovatel a žhavá skutečnost</i> | 82 |
| FRIEDRICHSHAFEN | |
| <i>Rozhovor v dílně</i> | 87 |
| MNICHOV | |
| <i>My se nezměníme</i> | 92 |
| <i>Mnichov očima Mnichovanů</i> | 95 |
| <i>Drobné svobodičky</i> | 100 |
| <i>„Žhavá současnost“</i> | 104 |
| <i>„Ti, o nichž se nějaký čas mluví“</i> | 105 |
| STUTTGART | |
| <i>Vrabec v hrsti</i> | 110 |
| <i>Malířská manželská dvojice</i> | 114 |
| KOLÍN | |
| <i>Ostré jazyky a nemá rezignace</i> | 120 |
| <i>„Zlatý Kolín“ dnes</i> | 124 |
| BONN | |
| <i>Návštěvou v „Pařeništi“</i> | 128 |
| MALÁ A VELKÁ SVOBODA | 130 |